कार्यालय जनसम्पर्क अधिकारी
राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर
राजा पंचम सिंह मार्ग, ग्वालियर (म.प्र.) – 474002

फोन/फैक्स : 0751–2970230, 2970231
ईमेल : pro.rvskvv@gmail.com

क्र./जन.कार्य./2023–24/463 दिनांक : 01/03/2024

प्रति,

श्रीमान संपादक महोदय/ब्यूरोचीफ

ग्वालियर, म.प्र.

महोदय,

निवेदन है कि राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर का एक महत्वपूर्ण समाचार प्रकाशनार्थ प्रेषित है। कृपया प्रकाशित कर सहयोग करने का कष्ट करें।

प्रेसनोटः–

(जनसम्पर्क अधिकारी)

कृषि महाविद्यालय, ग्वालियर में
प्रमुख फसलों में खरपतवार प्रबंधन पर कृषि अधिकारियों का प्रशिक्षण सम्पन्न

ग्वालियर। कृषि महाविद्यालय, ग्वालियर अंतर्गत संचालित अखिल भारतीय समन्वित खरपतवार प्रबंधन परियोजना में ''फसल उत्पादन में खरपतवार प्रबंधन के महत्व'' विषय पर संभाग के कृषि अधिकारियों के लिये दो दिवसीय क्षमतावर्धन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर के निदेशक अनुसंधान सेवाऐं डॉ. संजय शर्मा ने फसल उत्पादन में खरपतवार प्रबंधन के महत्व के बारे में बताते हुए कहा कि यदि फसल में खरपतवार प्रबंधन नहीं किया जाए तो फसल को नुकसान पहुंचाने वाले नाशीजीवों में से खरपतवार द्वारा सबसे अधिक नुकसान पहुचॉया जाता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय, ग्वालियर डॉ. एस.एस. तोमर ने उन्नत कृषि तकनीकी को कृषकों तक पहुॅचाने में प्रशिक्षण के महत्व के बारे पर प्रकाश डाला। अखिल भारतीय समन्वित खरपतवार प्रबंधन परियोजना के प्रधान अन्वेषक एवं विभाग प्रमुख (सस्यविज्ञान) डॉ. नीरज हाडा द्वारा गत वर्षो में खरपतवार प्रबंधन पर परियोजना के अंतर्गत किये गये अनुसंधानों एवं विभिन्न फसलों में खरपतवार प्रबंधन हेतु विकसित की गई तकनीकों के बारे में जानकारी दी।

कार्यक्रम में कृषि महाविद्यालय, ग्वालियर के सभी विभागाध्यक्ष एवं शिक्षकगण उपस्थित रहे। दो दिवसीय प्रशिक्षण में विशेषज्ञों द्वारा कुल 10 व्याख्यान दिये गये एवं अखिल भारतीय समन्वित खरपतवार प्रबंधन परियोजना के अनुसंधान प्रक्षेत्र का भ्रमण करवाया गया। व्याख्यानों में संभाग की प्रमुख फसलों में खरपतवार प्रबंधन से संबंधित तकनीकों को सम्मिलित किया गया। सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किये गये। कार्यक्रम संचालक डॉ. निशा सिंह व धन्यवाद ज्ञापन डॉ. जनमेजय शर्मा द्वारा दिया गया।